फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करें?

नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने हाईकमान से किया सवाल

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस में दो-चार दिन की शांति के बाद में कहीं ना कहीं किसी नेता की ओर से ऐसा बयान सामने आ जाता है, जिससे पार्टी में अंतर्द्वंद नजर आने लगता है। राज्य के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने शनिवार को कोटा में कांग्रेस की कार्यशाला में एक बयान के जरिए सीधे आलाकमान पर ही निशाना साध दिया। उनका यह बयान दो बार हारने वालों के टिकट काटने वाले फार्मूले को लेकर सामने आया। इस बयान के जरिए उन्होंने ना सिर्फ आलाकमान पर निशाना साधा, बल्कि साथी मंत्री डॉ बी डी कल्ला को भी निशाने पर लिया।

कोटा में हुई कांग्रेस की एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने पार्टी फार्मूले पर सवाल उठाया और हाईकमान पर निशाना साधते हुए कहा कि फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करे? धारीवाल ने शहर कांग्रेस की जिलास्तरीय कार्यशाला में उदयपुर नव संकल्प घोषणापत्र के क्रियान्वयन पर चर्चा के दौरान दो बार हारे नेताओं को तीसरी बार टिकट नहीं देने पर अपनी बात कह रहे थे।

■ **कहा ''दो बार हारने वालों के टिकट काटने के फार्मूले पर कायम नहीं हैं''**

अपनी बात रखते हुए शांति धारीवाल ने कहा कि इन सब बातों को देखना पड़ेगा। इस तरीके के फैसले कभी होते नहीं है। पहले भी पाबंदी लगा थी कि 2 बार हारे व्यक्ति को तीसरी बार टिकट नहीं देंगे। कई लोगों को टिकट नहीं दिए, लेकिन बीकानेर की नौबत आई तो बीडी कल्ला जी दो बार हारे हुए थे। उन्हें तीसरी बार टिकट दे दिया। फिर उन्हें क्यों दे दिया? दूसरे को क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि इन चीजों पर फैसला होना चाहिए। अगर आप पाबंदी नहीं रखोगे, तो हम से क्या उम्मीद करोगे।

उल्लेखनीय है कि इस कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की बैठकों में कई बार मंत्री आपस में भिड़े हैं और पिछली कैबिनेट की बैठक के दौरान ही नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ ही मंत्री भजनलाल ने भी डॉ बी डी कल्ला पर सवाल उठाए थे। धारीवाल ने शिक्षा विभाग में आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों और शिक्षकों के एक ही जगह लंबे समय से जमे रहने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में आरएसएस बैकग्राउंड के कर्मचारियों को प्राइम जगहों पर लगाया हुआ है। पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई जनसुनवाई में भी धारीवाल ने कहा था कि आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों को प्राइम जगहों से हटाना चाहिए।

अब पूर्व न्यायाधीश करेंगे चेक अनादरण के मुकदमों का फैसला

जयपुर, (का.सं.)। चेक अनादरण के मामलों की सुनवाई अब संविदा पर लगे पूर्व न्यायाधीश करेंगे। फिलहाल प्रदेश की पांच जजशिप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ये न्यायालय स्थापित किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश और रिटायर कर्मचारी होंगे। पीठासीन अधिकारी को जहां मासिक एक लाख रुपए का मानदेय दिया जाएगा, वहीं कोर्ट स्टाफ को चौबीस हजार रुपए से लेकर पैंतीस हजार रुपए का मानदेय मिलेगा।

राजस्थान न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी की चेक अनादरण की विशेष अदालत में पीठासीन अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के बाद राज्य सरकार की ओर से की जाएगी। इसके लिए हाईकोर्ट की वेबसाइट पर आवेदन मांगे जाएंगे। इसमें 64 साल तक की उम्र वाले पूर्व न्यायाधीश आवेदन करेंगे। वहीं कोर्ट स्टाफ के मामले में कर्मचारी की उम्र 65 साल रखी गई है।

■ **खास बात यह है कि इन न्यायालयों में सभी कर्मचारी रिटायर कार्मिक**

बढ़ते मुकदमों को कम करने की कवायद

प्रदेश सहित देशभर में चेक अनादरण के मुकदमों की संख्या तेजी से बढ रही है। बताया जा रहा है कि देश की विभिन्न अदालतों में करीब तीस लाख से अधिक चेक अनादरण के मामले लंबित हैं। इनके त्वरित निस्तारण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को निर्देश दिए थे कि वे अपने हाई कोर्ट के क्षेत्राधिकार के जिला न्यायालय में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विशेष न्यायालय स्थापित करें और इनमें पूर्व न्यायिक अधिकारियों और कोर्ट स्टाफ को नियुक्त करें। इसके तहत हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से इसकी अधिसूचना को राजपत्र में प्रकाशित कराया गया है।

नियुक्ति से पहले विशेष प्रशिक्षण

पूर्व न्यायाधीशों को इन अदालतों में नियुक्ति देने से पहले प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। राज्य न्यायिक अकादमी की ओर से इन्हें चार सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें एनआई कोर्ट की प्रक्रिया और साक्ष्य आदि के बारे में बताया जाएगा।

समन तामील हो चुके मुकदमों को ही सुनेगी

जानकारी के अनुसार इन अदालतों में उन्हीं मामलों को भेजा जाएगा, जिसमें विधिवत रूप से आरोपी पक्ष पर समन की तामील हो चुकी है और आरोपी या उसका वकील अदालत में पेश हो रहा है।

विशेष न्यायालय फिर भी लाखों लंबित मुकदमे

गौरतलब है कि चेक अनादरण के लंबित मुकदमों की संख्या लाखों में होने के चलते इन विशेष अदालतों में भी मुकदमें तय होने में कई साल लग रहे हैं।

छेड़छाड़ के अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ आए दिन छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त निक्कू उर्फ आयुष को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पन्द्रह हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

जयपुर में अभी भी अच्छी बारिस नहीं होने से लोग गर्मी से परेशान हैं। शायद ये सूखा पेड़ आसमान में बादल छाने पर यही पुकार कर रहा होगा कि बरसो रे मेघा अब तो बरसो। फोटो : दिनेश भारद्वाज

कोयला खनन मामले में गतिरोध दूर नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाद अब ऊर्जा मंत्री द्वारा राजस्थान को ब्लैक आउट से बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से तत्काल कोयला खनन शुरू करने के लिए बार-बार मिन्नतें करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि राजस्थान व छत्तीसगढ़ दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस शासित सरकारें हैं, इसके बावजूद कोयला खनन को लेकर गतिरोध का अब तक समाधान नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी व घोर विफलता है।

राठौड़ ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी से ईडी द्वारा पूछताछ करने के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ घंटों-घंटों साथ रहे, अगर उस समय थोड़ा सा समय निकालकर अशोक गहलोत राजस्थान में जारी कोयला संकट को लेकर उनसे बात कर लेते तो आज प्रदेश में कोयला संकट के कारण विद्युत आपूर्ति ठप्प नहीं होती। राठौड़ ने कहा कि इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं। उसके बावजूद भी समाधान नहीं होने के कारण आज एक बार फिर से प्रदेश में राजस्थान में कोयले का अभूतपूर्व संकट आ गया है।

■ **'इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं'**

राठौड़ ने कहा कि विगत 25 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रायपुर पहुंचकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर राजस्थान में कोयले की कमी से उत्पन्न बिजली संकट तथा छत्तीसगढ़ में आवंटित पारसा कोल ब्लॉक खान से कोयला खनन की स्वीकृति जारी करने के बारे में चर्चा कर खनन करने की सहमति व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री को अब स्पष्ट करना चाहिये कि छत्तीसगढ़ सरकार के साथ परसा कोल ब्लॉक में खनन स्वीकृति देने की सहमति का क्या हुआ? छत्तीसगढ़ के पारसा में राजस्थान के हिस्से की माइंस आवंटित है। केन्द्र सरकार ने पहले ही इस माइंस के लिए एन्वायर्मेंट क्लीयरेंस जारी कर दी थी, उसके बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार की हठधर्मिता के कारण कोयला खनन की स्वीकृति जारी नहीं करवा पाना राजस्थान सरकार की अकर्मण्यता व विफलता को दर्शा रहा है, वो भी तब जब वहां पर कांग्रेस की ही सरकार है।

जयपुर के वायु सेना में कमीशन्ड ऑफिसर बने सक्षम रावल

जयपुर। हैदराबाद स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित भव्य कम्बाइंड ठोजुएशन परेड में जयपुर के सक्षम रावल कमीशन्ड हुए। सक्षम को फ्लाइंग ऑफिसर की रैंक प्रदान की गई, वायु सेना की यह रैंक थल सेना के लेफ्टिनेंट के समकक्ष है। समारोह के मुख्य अतिथि आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे थे। एयर फोर्स ऑफीसर बनने के बाद सक्षम रविवार को जयपुर पहुंचेंगे। हमेशा कक्षा में टॉपर रहने वाले सक्षम रावल ने अपनी शिक्षा जयपुर में पूरी की और कोरोना काल में पिछले साल बिना कोचिंग के तैयारी करके यूपीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया स्तरीय एफकैट में सफलता प्राप्त की थी।

करोना संक्रमण से सीकर में एक रोगी की मौत

जयपुर (कासं)। राजस्थान में कोविड संक्रमण एक बार फिर बढ़ने लगा है। शनिवार को 123 नये संक्रमित मरीज सामने आये, जबकि सीकर में एक रोगी की मौत भी हुई। चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 39 नये मामले बढ़े है। शनिवार को सबसे ज्यादा 64 मरीज जयपुर जिले में मिले। इसके अलावा अलवर व बीकानेर में 12-12, जोधपुर में 9, अजमेर में 7, उदयपुर में 6, नागौर में 4, सीकर, झालावाड़ और सिरोही में 2-2 तथा बारां, चित्तौड़गढ़ व डूंगरपुर में एक-एक नया मरीज सामने आया है। जबकि राज्य के शेष 20 जिलों में शनिवार को कोई नया संक्रमित नहीं मिला। राज्य में फिलहाल 669 एक्टिव केस हैं, इनमें से सर्वाधिक 317 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलिंपिक मेडलिस्ट अर्जेंटीना को धूल चटाई

रोटरडम (नीदरलैंड्स), 18 जून। गुरजीत कौर के दो गोल से भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के 'डबल लेग' मुकाबले के पहले मैच में निर्धारित समय में 3-3 के स्कोर के बाद शूटआउट में ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर उलटफेर किया।

गुरजीत (37वें और 51वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर से और लालरेमसियामी ने चौथे मिनट में मैदानी गोल किया। अर्जेंटीना के लिए ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने 22वें, 37वें और 45वें मिनट में हैट्रिक करके मैच को शूटआउट तक पहुंचाया।शूटआउट में नेहा गोयल और सोनिका ने भारत के लिये गोल किये जबकि मौजूदा प्रो लीग चैंपियन अर्जेंटीना के लिये विक्टोरिया ग्रानाटो एकमात्र स्कोरर रहीं। इस तरह सविता पूनिया की टीम ने यादगार जीत दर्ज की और तोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मिली 1-2 की हार का बदला भी चुकता किया।

भारत ने शुरू में ही अर्जेंटीना के रक्षण पर दबाव बनाकर तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन मोनिका की फ्लिक का प्रतिद्वंद्वी गोलकीपर बेलेन सुकी ने अच्छा बचाव किया। एक मिनट बाद भारत ने लालरेमसियामी के शानदार मैदानी गोल से बढ़त बनायी। इस गोल से दबाव में आयी अर्जेंटीना ने आक्रमण करना शुरू किया और जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारत के मजबूत रक्षण के आगे उनकी एक नहीं चली।

दूसरे क्वार्टर के छह मिनट में अर्जेंटीना ने तेजी से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने गोल कर दिया जब उनकी फ्लिक सुशीला चानू की स्टिक से डिफ्लेक्ट हो गयी। भारत को हाफ टाइम से कुछ सेंकेड से पहले एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन मौका गंवा दिया। इसके बाद गोर्जेलानी ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया।

अर्जेंटीना की खुशी कुछ देर ही रह सकी भारत ने सेंकेड बाद ही गुरजीत कोर के पेनल्टी कॉर्नर पर किये गये गोल से बराबरी हासिल की। अर्जेंटीना ने कोशिश जारी रखी और तीसरे क्वार्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारतीयों का रक्षण बेहतरीन रहा। अर्जेंटीना को आठवां पेनल्टी कॉर्नर 45वें मिनट में मिला और गोर्जेलानी ने गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी कर टीम को फिर आगे कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों ने उम्मीद नहीं छोड़ी और डटी रहीं। गुरजीत ने फिर 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने विजयी गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों टीमों का रक्षण दमदार रहा, जिससे मैच शूटआउट में चला गया। भारत और अर्जेंटीना अब दूसरे मैच में रविवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका में निर्णायक मुकाबला आज

पांच मैचों की टी-20 सीरीज में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर

बेंगलुरु, 18 जून। पांच मैचों की टी 20 सीरीज में 2-2 की बराबरी हो जाने के बाद रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच निर्णायक मुकाबला ब्लॉकबस्टर होगा। दक्षिण अफ्रीका ने दिल्ली और कटक में पहले दो मैच आसानी से जीते लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए विशाखापत्तनम और राजकोट में अगले दो मैच जीतकर सीरीज में बराबरी कर ली। राजकोट में चौथे मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रनों के हिसाब से टी20 में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

राजकोट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे दिनेश कार्तिक ने 2006 में भारत का पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था और उन्हें अपना पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय अर्धशतक लगाने के लिए 16 साल और 35 मैच लग गए। कार्तिक ने हार्दिक पांड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए तेज़ 65 रन जोड़े, जिसकी बदौलत एक समय 13 ओवर में चार विकेट खोकर 81 रन पर लड़खड़ा रही भारतीय टीम ने 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन बनाए।

जवाब में दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज़ी भारतीय गेंदबाज़ों के सामने टिक नहीं पाई और 87 रन पर सिमट गयी। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में न्यूनतम स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अंतिम पांच विकेट सिर्फ़ 13 रन के भीतर गंवाए। भारत की तरफ़ से आवेश ख़ान सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिया। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में तीन विकेट लिए।

भारत की निर्णायक मुकाबले से पहले एकमात्र चिंता कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म है। यह सीरीज़ कप्तान ऋषभ पंत के लिए कुछ ख़ास नहीं रही है। वह रन तो बना नहीं रहे हैं जबकि एक ही तरीक़े से आउट हो रहे हैं। पिछली चार में से तीन पारियों में वह ऐसी गेंदों पर आउट हुए हैं जो आसानी से वाइड हो सकती थी।

वह ज़बरदस्ती ऑफ़ स्टंप से काफ़ी बाहर जा रही गेंदों को मारने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट फेंक देते हैं। चौथे मैच में वह केशव महाराज की वाइड लाइन से बाहर जाती फ़ुल गेंद को स्वीप करने गए, बाहरी किनारा लगा और शॉर्ट थर्ड मैन पर ड्वेन प्रिटोरियस के लिए यह आसान कैच था। पंत ने मैच के बाद कहा, हमने अच्छा खेलने और प्लान पर अमल करने की बात की थी और हमने ऐसा ही किया। जो टीम अंतिम मैच में अच्छा खेलेगी वह जीतेगी। मैं अपने खेल में कुछ बदलाव कर सकता हूं लेकिन मैं ज़्यादा सोच विचार नहीं करता हूं। बेंगलुरु में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और सीरीज़ जीतने का प्रयास करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के उपकप्तान केशव महाराज ने कहा, अंतिम पांच ओवरों में हमने ज़्यादा रन लुटाए। बल्लेबाज़ी के दौरान पावरप्ले में हमसे ग़लतियां हुई और हम पीछे हट गए। रविवार को एक अहम मैच होगा और हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए जिससे साझेदारी निभाना कठिन हो गया।

भारतीय गेंदबाज़ों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने शानदार गेंदबाज़ी की। भारत में छोटे मैदानों पर गेंदबाज़ी करना मेरे लिए कठिन होता है। बेंगलुरु में अंतिम मुक़ाबले में बहुत मज़ा आएगा। भारत ने चौथा मैच 82 रनों से जीतकर बेंगलुरु में होने वाले अंतिम मुक़ाबले को सीरीज़ का फ़ाइनल बना दिया है। इस मुकाबले में जो टीम अनुशासन के साथ बढ़िया खेलेगी वह सीरीज अपने नाम करेगी।

विश्व कप खिताब के लिए ऐसी टीम का गठन जरूरी जो हर परिस्थितियों में बेहतर कर सके

बेंगलुरू, 18 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रमेश पवार ने शनिवार को एक मजबूत टीम बनाने की जरूरत पर जोर दिया जो विश्व कप खिताब जीतने के लिए सभी परिस्थितियों में खेल सके। भारतीय महिलाएं दो बार विश्व खिताब जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन दोनों बार उसे फाइनल में मेजबान देशों के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। टीम 2017 में इंग्लैंड में एकदिवसीय विश्व कप और 2020 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की उपविजेता रही। पवार ने श्रीलंका दौरे पर टीम की रवानगी से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम अपनी क्षेत्ररक्षण और फिटनेस पर काम कर के अपने खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रहे है। यह हमारा तात्कालिक लक्ष्य है जिसे हम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' आने वाले समय में आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप एक ऐसी टीम बनाएं जो हर स्थिति में और हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सके। इसलिए हम श्रीलंका दौरे से पहले इस पर काम कर रहे हैं।''

23 साल बाद रणजी फाइनल खेलने उतरेगी मध्य प्रदेश

बेंगलुरु, 18 जून। 23 साल पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम में मध्य प्रदेश का रणजी ट्रॉफ़ी जीतने का सपना टूट गया था। 23 साल बाद वह उसी मैदान पर फिर एक बार उस सपने को पूरा करने का प्रयास करेगी। उसके सामने 41 बार की चैंपियन मुंबई की चुनौती होगी जो 2016-17 के बाद पहली बार फ़ाइनल में पहुंची है। दिलचस्प बात यह है कि उस समय मुंबई के कोच रहे चंद्रकांत पंडित अब मध्य प्रदेश के ख़ेमे में हैं। पहले मुंबई और फिर विदर्भ के साथ रणजी ट्रॉफ़ी जीतने के बाद उनके पास इतिहास को दोहराने का अच्छा मौक़ा है। और तो और जब कर्नाटक ने 1998-99 में मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में हराया था, तब पंडित टीम के कप्तान थे।

दिग्गज कोच रमाकांत आचरेकर के शिष्य पंडित और अमोल मज़ुमदार (मुंबई के कोच) 22 जून को अपनी अपनी खडूस टीमों के साथ फ़ाइनल में होंगे। मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में पहुंचाने का बड़ा श्रेय बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय को जाता है। पिछले हफ़्ते पंजाब के ख़िलाफ़ दूसरी पारी में छह विकेट लेने के बाद उन्होंने सेमीफ़ाइनल में बंगाल के विरुद्ध दूसरी पारी में पांच विकेट झटके।

पहली पारी में 97 पर चार की स्थिति से मध्य प्रदेश ने 341 का स्कोर खड़ा किया। हिमांशु मंत्री के 165 रन और 18 वर्षीय अक्षत रघुवंशी के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चोटिल मनोज तिवारी और शाहबाज़ अहमद के शतकों के दम पर बंगाल ने वापसी की।

54 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद इन दोनों ने रनों के बीच के अंतर को केवल 68 पर ला खड़ा किया। हालांकि रजत पाटीदार और आदित्य श्रीवास्तव के अर्धशतकों की बदौलत मध्य प्रदेश ने 350 का लक्ष्य खड़ा किया।

जब अंतिम दिन का खेल शुरू हुआ तो बंगाल को 254 रनों की आवश्यकता थी और उनके छह विकेट शेष थे। अंपायर के ख़राब पगबाधा फ़ैसले के अलावा उनका बल्लेबाज़ी क्रम स्पिन के आगे बिखर गया। बंगाल की ओर से कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 78 रन बनाए लेकिन कार्तिकेय की लो रही गेंद पर जब वह बोल्ड हुए तब मैच उनकी पकड़ से दूर जा चुका था। 66वें ओवर में मध्य प्रदेश ने जीत पूरी की जब गौरव यादव ने मुकेश कुमार को बोल्ड किया। 175 रनों पर बंगाल की पारी सिमटी। शाहबाज़ 82 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे। अजीब बात यह रही कि दूसरे छोर पर गिरते विकेटों के बावजूद उन्होंने आक्रामक रवैया नहीं अपनाया।

इस मैच में बंगाल ने एक अतिरिक्त ऑलराउंडर को खिलाकर अपनी बल्लेबाज़ी को मज़बूत किया था। इस वजह से इशान पोरेल को ड्रॉप किया गया और यह फ़ैसला भारी पड़ गया। उनकी जगह खेल रहे सायन मंडल ने दो पारियों में केवल एक रन बनाया और 16 ओवरों में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मध्य प्रदेश के हाथों मिली हार के बाद बंगाल के निराशाजनक सीज़न का अंत हुआ।

चेन्नईयिन एफसी ने साजिद धोत से दो साल का करार किया

चेन्नई, 18 जून। दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने डिफेंडर मोहम्मद साजिद धोत से दो साल का नया अनुबंध किया है जिससे वह क्लब के साथ 2024 तक बने रहेंगे। इस फुटबॉलर ने क्लब के लिये पिछले आईएसएल सत्र में छह मैच खेले थे जिसमें 24 साल के इस खिलाड़ी ने काफी प्रभावित किया था। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं इस क्लब का दो और साल हिस्सा बना रहूंगा जिससे मैं बहुत खुश हूं। पिछले साल मुझे मौके मिले और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

एशियाई साइक्लिंग के पहले दिन चमका भारत

नयी दिल्ली, 18 जून। एशियाई ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप की शनिवार को यहां इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम के यमुना वेलोड्रोम में शुरुआत हुई और मेजबान भारत ने पहले दिन चमकदार प्रदर्शन किया। पहले दिन 12 फाइनल्स हुए जिनमें से चार पैरा चैंपियनशिप के लिए थे। भारत ने 41वीं सीनियर और 28वीं जूनियर एशियाई चैंपियनशिप में एक रजत और छह कांस्य पदक जीते जबकि 10वीं पैरा चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारत को रजत पदक जूनियर चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में मिला। भारतीय चौकड़ी ने क्वालीफाइंग में 4:54.884 और फ़ाइनल में 4:54.034 का समय निकाला। सीनियर महिला चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक मिला। भारत ने 17 साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियनशिप के सीनियर महिला वर्ग में कोई पदक जीता है। पैरा महिला सी 1- सी 5 500 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में ज्योति गेदरया ने 58.283 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण जीता।